

1 प्रेषक,

महिमा,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक 24 दिसम्बर, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 में मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं से सम्बन्धित 15 नये कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता गढ़वाल क्षेत्र लोक निर्माण विभाग पौड़ी एवं मुख्य अभियन्ता कुमाऊ क्षेत्र लोक निर्माण विभाग अल्मोड़ा के द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन एवं शासनादेश सं0-2488 / 111-2 / 08-03(मु0मं0घो0) / 2008 दिनांक 25-07-08 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश दिनांक 25-07-08 के प्रस्तर-2 पर उल्लिखित शर्तों के क्रम में उपलब्ध कराये गये 15 कार्यों के आगणनों के कुल लागत रुपये 3129.93 लाख पर टी.ए.सी. वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी रुपये 2963.64 लाख (रुपये उन्तीस करोड़ तिरसठ लाख चौसठ हजार मात्र) की धनराशि की संलग्न विवरण के कॉलन-6 के अनुसार प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वन भूमि एवं निजी भूमि आदि की कार्यवाही की जाय, तथा भूमि का भुगतान नियमानुसार प्रथम बरीयता के आधार पर किया जाय एवं भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कर कब्जा प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।

3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नाम है स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वन विभाग की स्वीकृति जिन कार्यों में आवश्यक हो, प्राप्त करके ही धनराशि का आहरण किया जायेगा।

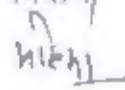
6. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य लिया जाय।

9. उक्त कार्यों में से यदि कोई कार्य या उसका कोई भाग यदि किसी अन्य विभागीय/विभागीय बजट से कराया गया है तो उन योजनाओं के लिये स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण न करके शासन को सूचित कर समर्पित कर दिया जायेगा।
10. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
11. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
12. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सभी योजनाओं हेतु भूमि का अर्जन कर के कब्जा लेने के बाद ही धनराशि का आहरण किया जायेगा और यदि कब्जा प्राप्त नहीं होता है तो उस योजना हेतु धनराशि का आहरण नहीं किया जायेगा।
13. यदि उक्त कार्यों में से किसी कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के बजट से अथवा अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है तो उस योजना हेतु इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण न करके धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
14. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय। कार्य कराते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जायेगा।
15. आगामी किस्त तब ही अवमुक्त की जायेगी जब स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जाय। उक्त धनराशि के पूर्ण उपयोग के उपरान्त ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
16. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
17. यदि उक्त कार्य के विपरीत पूर्व में किन्हीं अन्य बचत से धनराशि स्वीकृत हुई है तो उसका विवरण शासन को देकर अवशेष धनराशि का ही कोषागार से आहरण किया जायेगा।
18. उक्त योजना वालू वित्तीय वर्ष 2008-09 की नई मांग के द्वारा उपरिलिखित शासनादेश दिनांक 25-07-08 के द्वारा निर्गत कर दी गई है। अतः उक्त कार्य वालू कार्य के अन्तर्गत आयेंगे और उन पर व्यय संगत मद में (मार्ग/सेतु के वालू कार्य) निवर्तन पर रखी गई धनराशि से आवश्यकतानुसार अपने स्तर से ही बजट मैनुअल के प्रस्तर-211 का अनुपालन करते हुये ही किया जाये।
19. शेष सभी शर्तें शासनादेश सं०-2488/111-2/08-03(मु०म०घ००)/2008 दिनांक 25-07-08 के अनुसार यथावत रहेंगी।
20. यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या- 673/XXVII(2)/2008 दिनांक 09 दिसम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

सलग्नक- 15 कार्यों की सूची।

भवदीय

 (महिमा)
 अनु सचिव

संख्या-4/99 (1)/111(2)/08-03(मु0मु0घ00)/08, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमाँयू मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
3. समस्त संबंधित जिलाधिकारी/कोषाधिकारी।
4. मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल/कुमाँयू क्षेत्र, लो.नि.वि., पौड़ी/अल्मोड़ा।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
8. लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तराखण्ड शासन/गार्ड बुक।

आज्ञा से,

मे. ५/१

(गहिमा)

अनु सचिव

शासनादेश संख्या-4177 / 111(2)/08-03(मु0मु0घो0)/08, दिनांक 24 दिसम्बर, 2008 का संलग्नक।

(घनराशि रुपये लाख में)

क्र० सं०	शासनादेश सं०-2483/111-2/08-03(मु0मु0घो0)/08 दिनांक 25-07-08 में अंगित कमांक	कार्य का नाम	लम्बाई (किमी में)	अनुमानित लागत	टी0ए0सी0 वित्त द्वारा आंकलित घनराशि
1	2	3	4	5	6
1-	11	कालखाल अन्दरसी पल्लीगांव मोटर मार्ग का विस्तारीकरण।	08.00	280.00	280.00
2-	12	जनपद पौड़ी गढ़वाल में रघुवाडाव-हल्दुखाल मोटर मार्ग का डामरीकरण।	09.00	216.00	216.00
3-	14	जनपद पौड़ी गढ़वाल में दौटियाल में धने नदी पर 80 मीटर स्पान स्टील गर्डर सेतु का निर्माण।	60 मीटर	297.45	180.44
4-	16	जनपद जमोली में विकसखण्ड घाट में गणेशनगर-हिंजार को जोड़ने हेतु झुला पुल का निर्माण।	90.00 मीटर	187.20	187.20
5-	17	जनपद जमोली के अन्तर्गत जोशीमठ में सिंहघार-नरसिंह गौदर बाईपास मोटर मार्ग का सुदृढीकरण।		231.93	188.24
6-	18	जनपद उत्तरकाशी में ज्ञानसु कटोला में भागीरथी नदी पर पैदल सेतु का निर्माण (पहेंच मार्ग सहित)।	125.00 मीटर	271.25	265.66
7-	19	जनपद उत्तरकाशी में दुम्डा-धनारी- सेम-मुख्य मोटर मार्ग का पटुड़ी से आगे सेम भाग राजा मन्दिर तक विस्तार।	10.00	367.50	367.50
8-	21	जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली में मम्णी-जखोली-चौरा मार्ग का डामरीकरण किया जायेगा।	05.00	105.00	105.00
9-	22	जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली में सिराई-नंदवाण गांव - भटवाड़ी मोटर मार्ग का नव निर्माण।	06.00	220.50	220.50
10-	23	जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली में सिमली-मोडा-फिलोडा मोटर मार्ग का नव निर्माण।	04.00	147.00	147.00
11-	24	जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली में सिमली-टाट-पाती-सिमली मोटर मार्ग का नव निर्माण।	03.00	110.25	110.25
12-	25	जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली में बन्धरतीली-गावाणगाव- धरसारी मोटर मार्ग का नव निर्माण।	04.00	147.00	147.00
13-	26	जनपद उत्तरकाशी में राजगढ़ी में गंगोटाडी तक मोटर मार्ग का डामरीकरण।	06.00	151.20	151.20
14-	27	जनपद उत्तरकाशी में बांस खेखरी से भत्तार होते हुये खन्तरगाड तक मोटर मार्ग का नव निर्माण।	05.00	183.75	183.75
15-	30	धम्पावत-गौडी-किमोली मोटर मार्ग के अवशेष 04 किमी० भाग का निर्माण एवं इस मार्ग पर पड़ने वाले 30 फी० स्पान स्टील गर्डर सेतु का निर्माण।	04.00	213.90	213.90
योग:-				3129.93	2963.64

(रुपये उनतीस करोड तिरसठ लाख चौसठ हजार मात्र)

महिमा
(महिमा)
अनु सचिव